

Shri Randeep Singh Surjewala addressed the media today.

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि उधमपुर में उग्रवादी हमले में शहीद हुए बी.एस.एफ के दो हमारे जांबाज जवानों को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की ओर से सबसे पहले हम श्रद्धांजली देते हैं।

बी.एस.एफ के दूसरे जवानों ने J & K पुलिस और ग्रामीण सुरक्षा समिति के साथ मिलकर जिस प्रकार से पाकिस्तान से आए दो उग्रवादियों का साहसी तरीके से सामना किया। एक उग्रवादी को मार गिराया और दूसरे उग्रवादी उस्मान उर्फ कासिम को जिस प्रकार से गिरफ्तार किया। हम भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की ओर से उनकी वीरता को सलाम करते हैं कि जिन्होंने एक भयानक हादसे को होने से पहले ही नाकाम कर दिया और दुश्मन के दांत खट्टे कर दिए।

ग्रामीण सुरक्षा समिति नौजवानों ने हमारी सशस्त्र सेनाओं की उस्मान उर्फ कासिम उग्रवादी को पकड़ने में एक सक्रिय भूमिका निभाई, उनकी वीरता को भी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस सलाम करती है।

मार्च 2012 में पाकिस्तान से आया एक और उग्रवादी इसी तरह से पकड़ा गया था। 26/11 के मुंबई हमलों में हमारी पुलिस एवं सशस्त्र सेनाओं की बहादुरी ने कसाब नाम के उग्रवादी को इसी प्रकार से पकड़ा था।

सशस्त्र सेनाओं, पुलिस बलों और जो भी इस ऑपरेशन में एकसाथ थे और ग्रामीण सुरक्षा समिति के उन नौजवानों, को पूरे तथ्यों की जांच के बाद, 15 अगस्त 2015 को वीरता पुरस्कार से सरकार नवाजेगी, ऐसी हमें सरकार से अपेक्षा है।

गंभीर विषय यह है कि पिछले 10 दिनों में पाकिस्तान से आने वाला यह दूसरा बड़ा उग्रवादी हमला है। दशकों बाद उग्रवाद पंजाब में लौट आया। जब पाकिस्तान से आए उग्रवादियों ने दीनानगर पुलिस स्टेशन जिला गुरदास पुर पर एक भयावह हमला किया, जिसमें हमारे पुलिस अधीक्षक श्री बलजीत सिंह जी शहीद हो गए, पुलिस के जवानों को अपनी जान की आहुति देनी पड़ी और आज फिर बी.एस.एफ के ऊपर राष्ट्रीय राजमार्ग के उस हिस्से पर पाकिस्तान के उग्रवादियों के द्वारा हमला किया जिस इलाके में उग्रवाद की घटनाएं लगभग ना के बराबर थीं। आज वहां भी हमला हुआ। यह गंभीर और चिंता की विषय है। खास तौर से तब जब यह समाचार आ रहे हैं कि दोनों उग्रवादियों के निशाने पर अमरनाथ यात्रा थी।

अमरनाथ यात्रा के लोगों की सुरक्षा पर भी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस गंभीर चिंता व्यक्त करती है। यह दोनों घटनाएं 10 दिन में आईसोलेटिड घटनाएं नहीं हैं। जुलाई के महीने में पाकिस्तान से जुड़े जम्मू-कश्मीर के बॉर्डर पर करीब 20 बार वहां पाकिस्तान की तरफ से अनप्रवोक फायरिंग की गई।

अगर आप पिछले एक हफ्ते की वारदातें देखें तो अगस्त में 5 दिन में 11 बार सीजफायर उल्लंघन किया गया। जिसमें हमारे 5 जवान वीरगति को प्राप्त हुए और 14 जवान घायल हुए हैं और यह उस परिपेक्षम में जब 23-24 अगस्त को, पाकिस्तान और भारत के नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर की मुलाकात होनी है। यह उस पृष्ठभूमि में भी है जो एक संयुक्त बयान उफा में श्री नवाज शरीफ और श्री नरेंद्र मोदी जी के बीच में हस्ताक्षर हुआ था।

आज उस संयुक्त बयान में लिखी बातों पर भी एक नए तौर से वार्तालाप की आवश्यकता आ खड़ी हुई है। जब पाकिस्तान के फेडरल जांच एजेंसी के प्रमुख तारीक खौसा ने डॉन नाम की पत्रिका में एक लेख लिखा। जिसमें उन्होंने यह स्वीकार किया और पाकिस्तान की जांच एजेंसी द्वारा यह पहला प्रमुख एडमिशन है कि 26/11 के मुंबई हमलों का जिम्मेदार सीधा-सीधा पाकिस्तान की सरकार ही है। उसमें यह भी माना गया कि 26/11 हमलों के सरगना हाफिज सईद और जकी-उर रहमान लखवी जिसके बारे में संयुक्त समझौते में यह लिखा गया था कि भारत और सबूत देगा। जब जांच एजेंसी के प्रमुख ने मान लिया कि इन दोनों को पाकिस्तान सरकार प्रोटेक्शन दे रही है तो किसी और सबूत की आवश्यकता नहीं रह जाती है।

जुलाई और अगस्त में बढ़ते सीजफायर उल्लंघन, 10 दिन में दो बार भारत में पाकिस्तान के उग्रवादियों द्वारा हमले, लखवी और उसके साथ-साथ 26/11 मुंबई हमलों के आरोपियों को पाकिस्तान के संरक्षण का सबसे पुख्ता सबूत और यह सब बातें सार्वजनिक पटल पर मौजूद हैं।

धमाकों की गूंज में कभी वार्तालाप नहीं हो सकती। माननीय प्रधानमंत्री जी से हम यह अपेक्षा करते हैं एक जिम्मेदार राजनीतिक दल के तौर पर कि राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर पुनः आंकलन की आवश्यकता है।

खास तौर से तब जब पाकिस्तान के पीएम और भारत के पीएम की संयुक्त वार्तालाप के बाद सीजफायर उल्लंघन की घटनाओं की संख्या में कई गुना बढ़ोतरी हुई है। ऐसे में तब, जब दशकों के बाद पंजाब में उग्रवाद फैलाने की कोशिश में पाकिस्तान संलिप्त पाया गया है। ऐसे में तब, जब 10 दिन में 2 बार पाकिस्तान की तरफ से सोचे समझे षडयंत्र के साथ भारत में हमले किए। ऐसे में तब, जब 5 दिन में 11 बार सीजफायर उल्लंघन हुआ है, 5 हमारे जवानों को वीरगति प्राप्त हुई है और दर्जनों से भी अधिक जवानों के घायल होने की घटनाएं हुई हैं। ऐसे में तब, जब अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा पर प्रश्न चिन्ह लग गया है। ऐसे में तब, जब एक होस्टाईल

पड़ोसी पर लगाम लगाने में और पाकिस्तान को लेकर एक स्पष्ट नीति निर्धारण करने में मोदी सरकार पूरी तरह से नाकाम रही है।

हम प्रधानमंत्री जी और मोदी सरकार से अनुरोध करेंगे कि देश की सुरक्षा को लेकर और खास तौर से पाकिस्तान से जुड़ी सीमा को लेकर पूरे मामले के पुनर्आकलन की, दोबारा मथन की, दूरगामी नीति निर्धारण की और उग्रवाद से लड़के के लिए स्पष्ट नीति बनाएं और उग्रवाद को सर्दी के मौसम के आने से पहले उनको रोकने के लिए एक व्यापक नीति बनाने की आवश्यकता है। जरूरत पड़े तो प्रधानमंत्री जी को इस समय सब राजनीतिक दलों को भी विश्वास में लेना चाहिए और देश को यह बताना चाहिए कि पाकिस्तान और उग्रवाद को लेकर क्या नीति मौजूदा मोदी सरकार की होगी।

एक प्रश्न पर कि क्या बीजेपी में भी कुछ अच्छे लोग बचे हुए हैं? जवाब देते हुए श्री सुरजेवाला जी ने कहा कि आदरणीय मोदी जी के व्यवहार को लेकर उनकी व्यवहार कुशलता और संसदीय प्रजातंत्र के दमन को लेकर आदरणीय लाल कृष्ण आडवाणी जी काफी बातें कह चुके हैं और राय दे चुके हैं। आदरणीय मुरली मनोहर जोशी जी भी काफी राय दे चुके हैं। श्री शत्रुघ्न सिन्हां जी ने आज ही उनको इस बारे में प्रजातंत्र का दमन ना करने की राय दी है। हुकुम सिंह जी जो भाजपा के सांसद हैं आपने उनके बारे में बताया वो भी इसी राय से इत्तेफाक रखते हैं। प्रश्न यह है कि बीजेपी के अंदर और पूरे देश के लोग मोदी सरकार पर प्रजातंत्र के इस हत्या के व्यवहार को बड़ी गौर से देख रहे हैं। देश का साधारण नागरिक दुखी है भाजपा के सांसद और नेता दुखी हैं। ईश्वर मोदी सरकार को सख्तबुद्धि दें, मैं केवल यही प्रार्थना कर सकता हूँ।

एक अन्य प्रश्न पर कि मुंबई की अदालत ने ललित मोदी के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया है इस पर आप क्या कहेंगे? जवाब देते हुए श्री सुरजेवाला जी ने कहा कि मुंबई की अदालत ने ललित मोदी के खिलाफ जो वारंट जारी किया है उसका हम स्वागत करते हैं। क्या बीजेपी और उनके प्रधानमंत्री अब जब ललित मोदी के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी हो चुका है तो उनकी सरकार में जो उनके मददगार बैठे हैं, श्रीमति सुषमा स्वराज और श्रीमति वसुंधरा राजे जी कानून की अनुपालना में उनके खिलाफ कार्यवाही करने का राजनीतिक साहस दिखाएंगे, प्रश्न यह है?

youtube link : <https://www.youtube.com/watch?v=BZWdimozZ6Y&feature=youtu.be>

On the question of taking all parties into confidence with regard to national security in light of the terrorists' attack, Shri Surjewala said the national security is the concern of the entire 125 crore people of this country. Modi Government's policy on national security has been, for want of a better word, if I may say so, 'opaque', it is unclear. Signals continue to emanate that Modi Government is soft on terror or is unable to tackle terror in an appropriate fashion and manner. Prime Minister is expected to decide a strong policy on national security in national interest. In his and Government's wisdom, they can always discuss various issues of national security across the political spectrum. There is no bar. It has been done in the past. It can be done again, but it remains the prerogative of the government.

To a question whether the talks between the NSAs of India and Pakistan should go on or should not go on as scheduled on 23 and 24<sup>th</sup> of August 2015, Shri Surjewala said Indian National Congress has highlighted today the concerns of all the Indian citizens. We have an incident of terrorism today where a terrorist has been captured on account of bravery and valour of our Armed Forces and our civilians and one terrorist has been killed. Within ten days, this is the second major terrorists' incident where terror and terrorists have come from Pakistan first to attack and spread the terrorism in Punjab, when they attacked Dinanagar Police Station in Gurdaspur and now second terror attack on our BSF Jawans, which some reports suggest, the module was really aiming to harm the 'Amarnath Yatris'.

In August alone, there have been, as I pointed out earlier, 11 ceasefire violations many Jawans have died, over a dozen have been injured. In July, 18 such ceasefire violations have taken place. Since Modi Ji has taken over, over 800 ceasefire violations have taken place on Pakistan border In J&K alone. Now the latest revelation of Tariq Khosa former Head of the Federal Investigation Agency of Pakistan qua 26/11 Mumbai terror attack that these attackers had the active support and sustenance from the Government of Pakistan. So both Hafiz Sayeed and Zaki-ur-Rehman Lakhvi, whom we all know, thrive under active patronage of ISI has now been confirmed by Head of their Investigating Agency.

In that light, the joint statement at Ufa between the two Prime Ministers of providing more evidence, this evidence is clinching, it is incontrovertible and no further evidence is required and Pakistan should now take action and hand over Sayeed and Lakhvi to us. In that light, PM must decide what would be the meaning of his words **“Dhamakon ke saye mein vartalap nahin”**?

While Indian National Congress has always stood for good bilateral relationship and solution of all problems through mutual talks but in light of these grave provocations, PM, Home Minister and Modi Government must decide what should be the contours of talks with Pakistan in light of this incontrovertible evidence, what is the action that PM would ask his counterpart in Pakistan to take. How long now before Pakistan hands over Lakhvi and Hafeez Sayeed & others to India to face trial for 26/11 Mumbai terror attacks and how does PM Modi proposes to tackle the terror considering the grave systemic planned provocations coming from Pakistan - these answers he must give not only to Parliament but also to the people of India.

Shri Surjewala further said that in light of these repeated attacks, provocations and ceasefire violations, there is a need for PM and Modi Government to review the entire national security apparatus particularly on the border between India and Pakistan considering the two terror attacks in ten days both in J&K as also in Punjab and sacrifice of many of our soldiers and loss of precious civilian and Armed Forces' lives. So, PM must decide how to tackle the intelligence

failure, if any, because two terrorist incidents have taken place. How to contain a hostile neighbour, how to stop terrorism from taking human lives, how to contain terror and terrorism from being exported from Pakistan to Indian soil and how to ensure safety and security of citizens living in these states neighbouring border of Pakistan.

On being asked the take of the Congress Party on 'Dharna' by Congress MPs outside the Parliament because some of the MPs whose names have appeared but were not there, Shri Surjewala said Modi Government must realize that and if I may say first three lines in Hindi '**Vipkash ke bgair satta paksh bemane hai, Vipkash ke bger praja tantra bemane hai aur Vipaksh ke bgair sansdiya karyavahi hi bemani hai**'. There can be no democracy without opposition. The ruling party will lose its moral and constitutional sanctity by brutally stifling dissent in this fashion and what would happen to upholding of great parliamentary principles where dissent and disagreement - these are the two key fundamentals or foundations - of the entire parliamentary edifice. So instead of standing on false ego or its insistent suppression of Parliamentary democracy, Modi Government would be well advised and as advised by their own Members of Parliament now - Shri Shatrughan Sinha & others - some in public domain, some in private conversations, that do not make a mockery of democracy and make Parliamentary democracy meaningless and I hope like many of the other BJP MPs have told their Government and Prime Minister that some better sense prevail upon the Government to waiver from its obstinacy and obduracy.

On the question of the reaction of the Congress party on the 'Dharna' outside Lok Sabha Speaker's residence and is it not opening a new frontier, Shri Surjewala said I will find out the fact. I think the Congress MPs were sitting in a 'Dharna' along with various other political parties at the footsteps of the statue of Mahatama Gandhi.

On the question of statement by one independent MLA Engineer Rashid of J&K Assembly with regard to ceasefire violations, Shri Surjewala said I have not seen the statement of the independent Legislature. I will have a look at it and revert back to you but raising the flags or creation of a unit of ISIS terrorists in J&K is part of the same trend that I just pointed out. If ISIS terrorists, who according to various intelligence report that are yet not completely confirmed, are going to create units in the State of J&K particularly when at the international level ISIS terrorists are planning steadily so, subject to confirmation, an attack on India and its democracy, it is indeed worrisome.

On the question whether the Congress MPs would urge the Lok Sabha Speaker to revoke their suspension, Shri Surjewala said Parliamentary democracy norms and respect for the basic tenets of Parliamentary functioning warrant that the Hon'ble Speaker reconsider her decision to permit dissent and dissension which are fundamentals of Parliamentary functioning.

Sd/-

**(S.V. Ramani)**

**Secretary**

**Communication Deptt.**

youtube link : <https://www.youtube.com/watch?v=BZWdimozZ6Y&feature=youtu.be>